4486 क 516/

UTTAR PRADESH 20Rs.

बीस रुपया

२०रू. 20RS.

भारत INDIA

TWENTY RUPEES

मौके गन्नू पुत्र खुशहाली साकिन मौजा काजीपुरा परगना मुरादाबाद जिला मुरादाबाद का हूं।

जोकि आराजी तादादी 0-35 पैंतीस डेसीमिल नम्बरी जेल वाके मौजा काजीपुरा परगना मुरादाबाद जिला मुरादाबाद मे तन्हा मिन्मुकिर की भूमिधरी है और मुकिर उस पर बिला मशारकत दीगरे तन्हा मालिक मालिकाना काबिज वदखील है और को... अमर मानेरहन बवय वहिबा वगैरा मे किसी किस्म का नहीं है आराजी मजकूर स्वत... तक जुमला बार किफालत वदयूनात वहिबा वरहन बवय वगैरा से बिलकुल वरी और पाक साफ है और पाक साफ होने का यकिन वइत्म जाति अपने से खरीदार मौसूफ को करा दिया मैने चुनाचे अब बहालत सेहत नफस वसबात अक्ल वदुरूस्ती होश हवास... बमरजी अपने के बिला वहकाये व सिखाये वदबाव नाजायज किसी सख्श गैरे के आराजी मजकूर को बिल एवज मुबलिग 600 छै सौ रूपये के निस्फ जिसके मुबलिग 300 तीनसौ रूपये होते है बदस्त वीरेन्द्रकुमार पुत्र श्री रघुवीरसरनजी निवासी मुरादाबाद मोहल्ला जीम्लाल के बय सही कतई कर दी और बेच डाली मैने और जुरे समन उसका नकद रूबरू सब रजिस्ट्रार साहब वसूल पाकर तमामी शय मुबईया मजकूरा वालाको कब्जा व दखलमालिकाना अपने से निकाल कर कब्जा वदखल मालिकाना मुश्तरी मौसूफ मे मि... जात खास अपनी के दे दी मैने चुनाचे तकाविजउलवदलेन उसका फी मावैन अमल मेबा... पस अब मेरा या मेरे किसी वारिस या कायम मुकाम या हिस्सेदार या वारिस या जानशीन मेरे का कोई हक व ताल्लुक या वास्ता या कब्जा या हिस्सा किसी किस्म का निस्वत शय मुबईया या उसके जुरे समन मे अब या आइन्दा को बाकी नहीं रहा

११-८-६८ को २० का बदस्त गनू सिंह वल्द कुशल सिंह साकिन ...
बन्दर अहाता कलक्टरी मुरादाबाद वेन्डर
स्टैम्प वेन्डर शहाय स्टाम्प फरोश नं० ४८

रजिस्ट्री शुल्क लिपि शुल्क शब्द अन्वय योग १५/५०
३/- १/५० ०००

श्री गन्नू पुत्र ...
निवासी ...
ने कार्यालय सब रजिस्ट्रार मुरादाबाद में
दि० ११.९.१९६८ को १२ ...

ने गन्नू ... के समक्ष प्रस्तुत किया।

११/९/१९६८

६००/-

लेखपत्र का निष्पादन तथा प्रतिफल ... रुपये की प्राप्ति की स्वीकृति
है जो ... रुपये नगद मेरे समक्ष दिये गये उक्त श्री ... गन्नू
...
ने लेखपत्र को पढ़कर/सुनकर स्वीकार किया।।

उसकी/उनकी पहचान श्री ... पुत्र ... व्यवसाय ...
निवासी ग्राम मोहल्ला ... जिला मुरादाबाद तथा
सुरेन्द्र कुमार पुत्र ... निवासी ग्राम/मोहल्ला
... तहसील ... व जिला मुरादाबाद ने की।

११/९/१९६८

ने गन्नू

20Rs.

बीस रुपया

२० रू.

भारत

INDIA

TWENTY RUPEES

20 RS.

अगर कोई शरीक या शहीम या कर्जख्वाह या हिस्सेदार या वारिस या जानशीन मेरा पैदा होकर कोई दावा करे और बदावेदारी उसकी से शय मुवईया कुल या कुल कब्जे मुश्तरी से निकल जावे तो मुकिर उसी कदर वापिसीजरसमन का देनदारवजिम्मेवार अपनी जात वदीगर जायदाद से होगा मुश्तरी कागजातसरकारी में वइखराज नाम मुकिर अपना नाम दर्ज करा ले मुझ कुछ उज्र न होगा लिहाजा यह बयनामा लिख दिया कि सनद हो और काम आवे।

तफसील आराजी मुवईया वाके मौजा काजीपुरा परगना मुरादाबाद जिला मुरादाबाद।

नम्बर	रकबा
११२५ ग्यारह सौ पच्चीस	०- ५ पाच डेसमिल
११२६/१ ग्यारह सौ छब्बीस बटा एक	०- १० दस डेसमिल
११२७ ग्यारह सौ सताईस	०- १० दस डेसमिल
११२९ ग्यारह सौ उनतीस	०- १० दस डेसमिल
४ चार किते	०- ३५ पैंतीस डेसमिल

आज बतारीख ११ सितम्बर सन् ९८को यह बयनामा बमुकाम मुरादाबाद वइकरार मुकिर व कितावत बटाईप मुझ मनोहरलाल ने टाईप किया और उजरत २रू० ली।

अलब्द------------------

गवाह------------ गवाह------------

११-८-६८ को २०) का बदस्त ... शाली सिंह ... पुत्र ...

अन्वर अहमद कलक्टरी मुरादाबाद

जगदेव सहाय स्टाम्प फरोश 86

शाली सिंह

[illegible signature]

सब रजिस्ट्रार

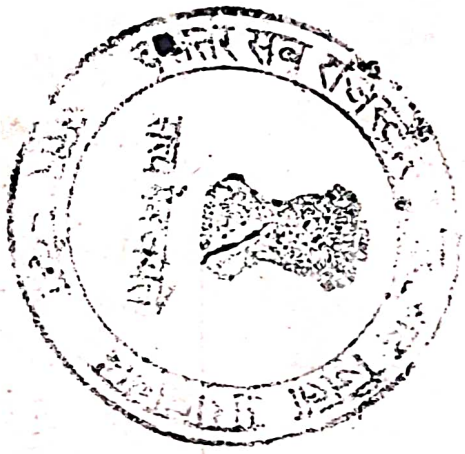

प्रमाण

चिन्ह अंगूठे मालिकों के जो देखने में मत अर्थात होते हैं रिक्ति स्वरूप लिये गये हैं।

29/8

11/9/1968

बही नं० 1 जिल्द 1268 के पृष्ठ 326 ता 327 क्रि नं० 4448 पर आज दि० 10-10-68 ई० रजिस्टरी की गई

[illegible signature]

R PRADESH

पैंतीस रुपया

भारत INDIA

THIRTY FIVE RUPEES

३५रू. 35RS.

मैंकि अन्तरामसिंह पुत्र श्री भगवन्तसिंह निवासी
ग्राम काजीपुरा परगना व जिला मुरादाबाद का हूँ।
जोकि आराजी तादादी 0.43 तेतालिस डेसीमल
नम्बरी खेत वाके ग्राम काजीपुरा परगना मुरादाबाद
जिला मुरादाबाद में तन्हा मिन् मुकिर की भूमिधरी
है और मुकिर उस पर बिला मशारकत गैरे
मालिकाना काबिज व दखील है और कोई अमर
मानेह रहन बय या हिब्बा वगैरा में किसी किस्म
का नहीं है आराजी मजकूर इस वक्त तक
बिला मशारकत गैरे मुकम्मल बार किफालत से

४-१२-९६ को ३ ५) का बदस्त [illegible]

अन्दर अहाता कलक्टरी मुरादाबाद बेचा

[illegible] उपदेव सहाय स्टाम्प फरोश नं० ३२

रजिस्ट्री शुल्क लिपि शुल्क शब्द लगभग योग

१३.०० १.२० ५.०० १९.२० [probable reading]

श्री [illegible] सिंह पुत्र [illegible] सिंह व्यवसाय खेती

निवासी ग्राम काजीपुरा परगना [illegible],

ने कार्यालय [illegible] मुरादाबाद में आज

दि० ४-१२-९६ को ३ व ४

बजे के मध्य प्रस्तुत की। [signature] ४-१२-९६ नि. [illegible] सिंह

लेखपत्र का सम्पादन तथा प्रतिफल ५.००) पाँच सौ रुपये की प्राप्ति को जिसमें रु ५००) पाँच सौ रुपये नगद मेरे समक्ष दिये गये उस श्री [illegible] सिंह ने लेखपत्र को पढ़कर सुनकर स्वीकार किया ॥

उसकी पहचान श्री [illegible] सिंह पुत्र [illegible] सिंह व्यवसाय खेती निवासी ग्राम काजीपुरा परगना [illegible] जिला मुरादाबाद तथा श्री [illegible] पुत्र [illegible] सिंह व्यवसाय खेती निवासी ग्राम/मोहल्ला [illegible] परगना [illegible] जिला मुरादाबाद ने की ॥ [signature]

नि. [illegible] सिंह

नि. [illegible] सिंह

नि. [illegible]

सत्यमेव जयते

उत्तर प्रदेश

जिन्द अंगूठे निशानी के जो देखने में मुझे प्रतीत होते हैं लिये सुपंथ किये गये हैं ॥

[signature]

४-१२-९६

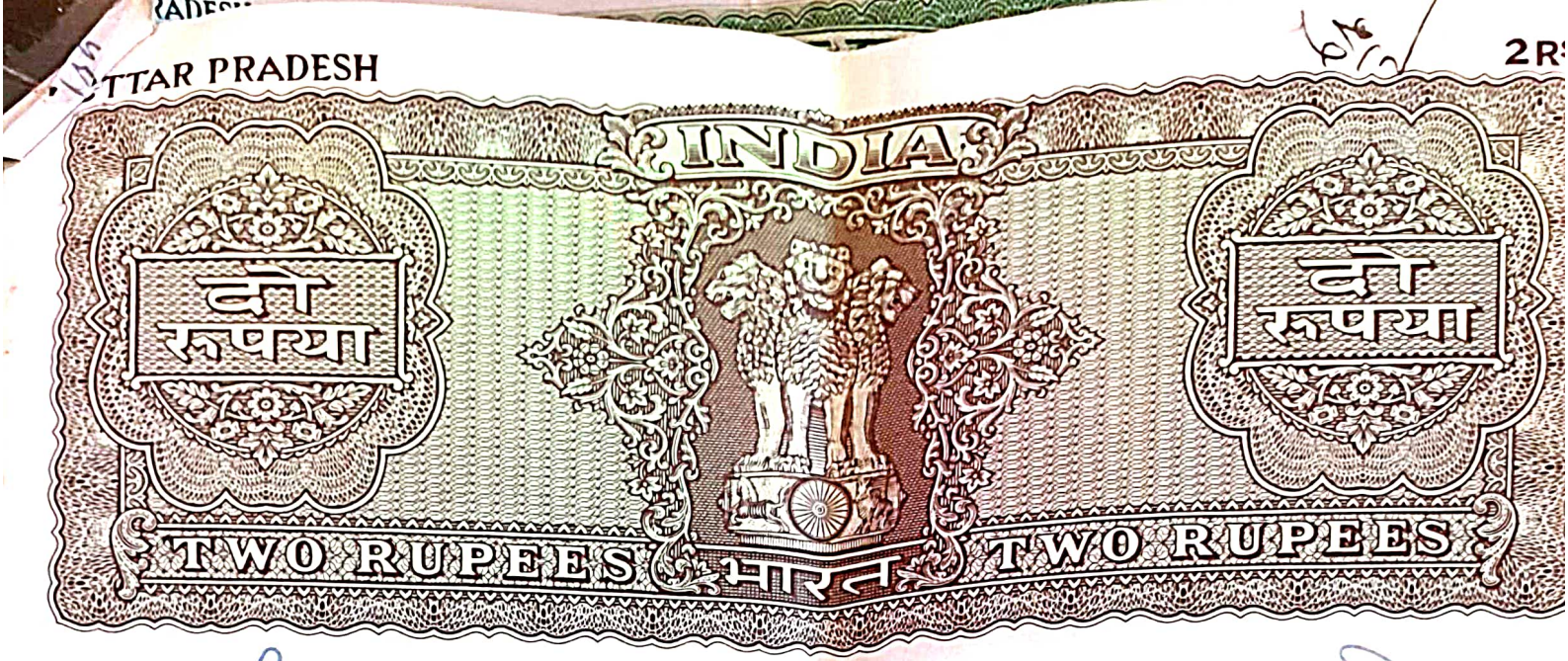

UTTAR PRADESH

INDIA

दो रुपया — TWO RUPEES — भारत — दो रुपया — TWO RUPEES

मशमूलात व हिबा व रहन व बय वगैरा से बिल्कुल

बरी और पाक साफ है और कोई अमर मानै

रहन बय व हिबा वगैरा मे किसी किस्म का

नही है चुनाचे अब व हालत सेहत नफ्स व

सबात अकल व दुरुस्ती होश हवास खमसा

अपने के बिला बहकाये व सिखाये व दबाव

नाजायज किसी शख्स गैर के आराजी मजकूर को

बिल रक्बा मुवालिग 600 छै सौ रुपया के जिसके

निस्फ मुवालिग 300 तीन सौ रुपया होते है

व बदस्त श्री वीरेन्द्र कुमार पुत्र श्री रघुवीर

सरन जी निवासी मुरादाबाद मोहल्ला जीबाल के

बय सही कतई करदी और बेच डाली है

४-१२-६० को २ बजे ... फो ...

अन्दर शहाना स्लाकटो मुरादाबाद ... ।

... सदाय स्टाम्प फरोश नं० ३-

सत्यमेव जयते

उत्तर प्रदेश

PRADESH

1Re 25nP

INDIA

एक रुपया पचीस नये पैसे

ONE RUPEE भारत TWENTY FIVE NAYE PAISE

एक रुपया पचीस नये पैसे

और ज़रे समन उसका तमाम व कमाल हस्ब तफसील

जैल नकद वसूल पाकर तमामी राय मुवहीया मजकूरा

वाला को कब्जा व दखल मालिकाना अपने से

निकाल कर कब्जा व दखल मालिकाना मुश्तरी

मौसूफ ने मिसल जात खास अपनी के दे दी है

चुनांचे तकावीज उलबदलेन उसका फी मा बैनुल

के अपना पास उपर लिया या मेरे किसी वारिस व

कायम मुकाम का कोई हक व हिस्सा निस्बत शाह

मुवहीया के अब या आइन्दा को बाकी नहीं रहा

मुश्तरी कागजात सरकारी से व इसखराज नाम मुकिर

अपना नाम दर्ज करावे मुझे कुछ उज्र न होगा

[illegible] को [illegible] का बदस्त [illegible] बेचा
अन्दर अहाता कलक्टरी मुरादाबाद
[illegible] जयदेव सहाय स्टाम्प फरोश नं० [illegible]

[illegible]

सत्यमेव जयते

PRADESH   75 nP

INDIA

पचहत्तर नये पैसे   पचहत्तर नये पैसे

भारत

SEVENTY FIVE NAYE PAISE

लिहाजा यह बयनामा लिख दिया कि सनद हो और काम आवे फकत ।

तफसील अराजी मुबईया वाके ग्राम काजी पुरा परगना मुरादाबाद

नम्बर	रकबा
११२८ ग्यारह सौ अठाईस	0-22 बाईस डेसीमल
११३० ग्यारह सौ तीस	0-21 इक्कीस डेसीमल
२ दो किते	0-43 तैंतालिस डेसीमल

तफसील वसूली ज़र समन- वाला रजिस्ट्री वसूल पांच

१००) एक सौ रुपया रूबरू सब रजिस्ट्रार साहब लगां

५००) पांच सौ रुपया कुल रुपया ६००) छै सौ ।

आज ब तारीख ८ दिसम्बर सन ६४ को यह बयनामा ब मुलाहजा ब इकरार मुकिर ब कितावत मुन्शी मनोहर लाल तहरीर हुआ उम्मद ६ की ।

[illegible] मुरादाबाद

मनोहरलाल

४९२ ई० को ... का नकल [illegible]

अन्दर अहाता कलक्टरी मुरादाबाद

जयदेव सहाय स्टाम्प वेंडर नं ५९

सत्यमेव जयते

उत्तर प्रदेश

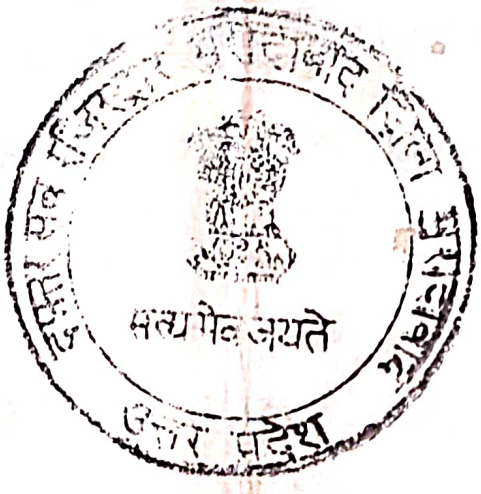

14/3/69

बही नं० १ जिल्द १२२२ के पृष्ठ ३८१ ता ३८२ में नं० ४००७५ आज दि० १४-१२-६८ को रजिस्ट्री की गयी

प्रमाणित